आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति : एक अध्ययन

पीएच०डी० शोध हेतु शोध प्रारूप

स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग
जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय
राँची विश्वविद्यालय, राँची

2024

शोध निर्देशक:-

डॉ. सविता केशरी
विभागाध्यक्ष
विश्वविद्यालय नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय, राँची

शोधार्थी:-

पप्पू कुमार महतो
एम. ए. नागपुरी
यू.जी.सी. नेट
स्नातकोत्तर नागपुरी विभाग
राँची विश्वविद्यालय राँची

आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति : एक अध्ययन

भूमिका : हमारा झारखंड राज्य प्रकृति की गोद में बसा हुआ एक बहुत ही सुंदर राज्य है, जो बहुभाषा-भाषी क्षेत्र के अलावा जनजाति एवं मूलवासी अति प्राचीन काल से एक साथ रहते आ रहे हैं जिनकी अपनी भाषा अपनी संस्कृति देखने को मिलती है। यहां के 32 जनजातियों एवं मूल वासियों की अपनी-अपनी भाषा व संस्कृति है।

झारखंड में तीन भाषा परिवार के लोग आपस में प्रेम भाव से रहते है। जिनमें आर्य भाषा परिवार, द्रविड़ भाषा परिवार और प्रोटो ऑस्ट्रेलायड भाषा परिवार। आर्य भाषा परिवार के अंतर्गत नागपुरी, खोरठा, कुरमाली व पचपरगनिया भाषाएं आती हैं । जिसमें से नागपुरी भाषा समस्त झारखंडियों को जोड़ने का काम करती है यानी यहां की जन संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग करते हैं। यहां पर निवास करने वाले 32 जनजातियों में से लगभग 12 जनजातियां अपनी मातृभाषा के रूप में नागपुरी भाषा का प्रयोग करते हैं साथ ही साथ यह झारखंड प्रदेश की अति प्राचीनतम भाषाओं में से एक है, जिसकी शुरुआत कैथी लिपि से होकर वर्तमान में देवनागरी लिपि पर स्थिरता पाई। वैसे इस भाषा का उदय कब हुआ इसका कोई लिखित प्रमाण नहीं है, फिर भी नागपुरी भाषा के विद्वानों का यह अनुमान है कि नागपुरी भाषा का उदय लगभग पांचवी से छठी शताब्दी के आसपास हुआ होगा । वर्तमान समय में नागपुरी भाषा का महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है जब से यह भाषा प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल की गई है | आज यह भाषा झारखंड के अलावा पश्चिम बंगाल, असम, अंडमान-निकोबार दीप समूह,

नेपाल, बांग्लादेश जैसे एक बड़े भूभाग में बोलने के साथ-साथ इसकी पढ़ाई-लिखाई भी प्राथमिक स्तर से अनवरत जारी है। नागपुरी साहित्य का पहला शिष्ट रचना सन 1626 ई० में नागवंशी के 50वें राजा रघुनाथ नृपति के शिष्ट साहित्य से धीरे-धीरे विकास हुआ और यह अलग-अलग कालखंड में विकसित होती गई | वर्तमान समय में नागपुरी शिष्ट साहित्य के तीन भेद हैं गद्य, पद्य एवं चंपू।

गद्य भाग के अंतर्गत कहानी, उपन्यास, नाटक, एकांकी, संस्मरण इत्यादि आते हैं वहीँ पद्य साहित्य में गीत एवं कविता शामिल हैं।

परिकल्पना :

वर्तमान समय के परिदृश्य में नागपुरी भाषा साहित्य को लेकर बहुत ही शोध कार्य किए जा चुके हैं और वर्तमान में हो ही रहे हैं विशेष कर व्यक्तित्व और कृतित्व पर। फल स्वरुप इन सभी बातों को लेकर मैं अपने शोध निर्देशक से मिला, जहां पर मुझे यह जानकारी मिली थी अभी भी बहुत से ऐसे नागपुरी भाषा में काम करने बाकी हैं जिन क्षेत्रों में अभी भी बहुत कम काम हुआ है | उसी को लेकर मुझे बहुत सारी शोध विषयों की सूची मिली और काफी दिन अध्ययन करने के पश्चात मैंने “आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति : एक अध्ययन” का चुनाव कर पाया। इस चुनाव में मेरा भरपूर सहयोग मेरे शोध निर्देशक का रहा और काव्य में प्रेम और प्रकृति से संबंधित ढेर सारी जानकारियों के साथ कुछ किताबों की सूची भी उन्होंने दी | इन सभी जानकारी और किताबों को पढ़कर मेरी रुचि इस ओर झुकी, क्योंकि

स्नातक से लेकर स्नातकोत्तर तक के पाठ्यक्रम में इन सभी काव्य एवं उनके लेखकों के बारे में पढ़कर बहुत सारी जानकारियां मिल चुकी थी।

<u>प्रेरणा :-</u>

झारखंड मेरा जन्म भूमि एवं कर्मभूमि भी है, बचपन से ही नागपुरी भाषा क्षेत्र में रहने के कारण मेरा झुकाव बचपन से हि इस भाषा की ओर रहा| इंटरमीडिएट के बाद और ज्यादा बढ़ गया, जब मुझे जानकारी हुई की नागपुरी भाषा की पढ़ाई स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों में होती है, साथ ही साथ मुझे डॉ० खलिक अहमद जैसे गुरु मिले जिन्होंने हमेसा मेरा मार्गदर्शन किया | धीरे-धीरे जब मैं नागपुरी भाषा साहित्य में लोक कथा, शिष्ट कथा एवं कविताओं को पढ़ने लगा तो मेरी उत्सुकता और भी ज्यादा बढ़ी और मैंने मन बना लिया कि मैं जब भी शोध कार्य करूँगा कवियों एवं उनके द्वारा रचित काव्य कृतियों पर ही करूँगा तत्पश्चात मैंने "आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति : एक अध्ययन" विषय का चयन किया |

<u>शोध का उद्देश्य :-</u>

1. नागपुरी काव्य में प्रेम एवं प्रकृति को बतलाना।
2. नागपुरी पद साहित्य में काव्य के विभिन्न/विविध रूप को बतलाना।
3. नागपुरी काव्य साहित्य के प्रमुख कवियों एवं उनके काव्य को बतलाना।
4. नागपुरी साहित्य में काव्य को स्थापित करना।

5. नागपुरी के प्रमुख कवियों एवं साहित्यकारों को मुख्य धारा के समाज को बतलाना।

शोध विधि :-

1. साक्षात्कार विधि
2. विश्लेषणात्मक विधि
3. वर्णनात्मक विधि
4. तुलनात्मक अध्ययन
5. अवलोकन विधि

शोध के उपकरण :-

1. कैमरा
2. कंप्यूटर/लैपटॉप
3. मोबाइल
4. टेप रिकॉर्डर
5. टंकण मशीन
6. रेडियो
7. समाचार पत्र
8. पत्र-पत्रिका
9. पेन ड्राइव
10. इंटरनेट का प्रयोग

11. शोध से संबंधित पुस्तक, प्रकाशित रचनाएं, संदर्भ ग्रंथ हेतु पुस्तकों का अध्ययन।

शोध की प्रासंगिकता:-

नागपुरी भाषा साहित्य के पद साहित्य के क्षेत्र में प्राचीन काल से ही पद साहित्य का प्रमुख स्थान रहा है। आज वर्तमान में आधुनिक नागपुरी साहित्य के पद क्षेत्र में रचना होने के कारण दिनों दिन नागपुरी भाषा साहित्य का विकास काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें नागपुरी के आधुनिक नागपुरी के नए-नए साहित्यकार अपनी कविताओं के माध्यम से रचनाओं के माध्यम से समाज को रु-ब-रु करा रहे हैं और समस्त जनमानस को इससे प्रभावित कर रहे हैं, चाहे वह प्रेम पर आधारित रचनाएँ हो,वात्सल्य पर, सखा पर या विस्थापन के दर्द आदि पर रचनाएँ हो ।

शोध प्रारूप :-

प्रस्तावित अनुसंधान को निम्न प्रारूपण के अनुसार पूरा करने की योजना है -

- प्रस्तावना
- शोध विषय की प्रेरणा
- शोध कार्य की विषय सीमा
- विषय से संबंधित पूर्व में किए गए शोध कार्यों का विवरण
- शोध विधि
- औचित्य

विषय सूची

- प्रस्तावना
- शोध की परिकल्पना

अध्यायीकरण

प्रथम अध्याय

आधुनिक नागपुरी साहित्य का सामान्य परिचय

1.1 पद्य – महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक

1.2 गद्य – उपन्यास , कहानी, निबंध, नाटक, संस्मरण, यात्रा वृतांत |

द्वितीय अध्याय

आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति निरूपण की पूर्व परंपरा

- भक्ति कालीन काव्य में

तृतीय अध्याय

3.1 आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम और प्रकृति निरूपण की पृष्ठभूमि

(क) आधुनिक नागपुरी काव्य में आधुनिकता के प्रभाव

(ख) आधुनिकता के तत्वों का समावेश

3.2 आधुनिक काव्य के कवि

(क) आज़ादी से पहिले

(ख) आज़ादी के बाद

चतुर्थ अध्याय

आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रेम निरूपण

- देश प्रेम
- वात्सल्य प्रेम
- दांपत्य प्रेम
- ग्रामीण प्रेम
- आध्यात्मिक प्रेम
- अलौकिक प्रेम
- अन्य प्रेम |

पंचम अध्याय

आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रकृति निरूपण

क) पर्वतीय प्रकृति के विविध रूप

ख) ॠतु सौंदर्य चित्रण से संबंधित काव्य

ग) प्रकृति के विविध उपादान

छठा अध्याय

आधुनिक नागपुरी काव्य में प्रकृति एवं प्रेम के भाव पक्ष एवं कला पक्ष

6.1 भाव पक्ष

क) भाव

ख) रस

6.2 कला पक्ष

(क) छंद

(ख) अलंकार

(ग) भाषा शैली

7 सातवां अध्याय

आधुनिक नागपुरी काव्य के प्रमुख कवियों की रचनाओं में प्रेम एवं प्रकृति निरूपण :-

क) प्रफुल्ल कुमार राय

ख) बी.पी. केशरी

ग) नईमुद्दीन मिरदाहा

घ) क्षितिज कुमार राय

ङ) मधु मंसूरी 'हंसमुख'

च) मेघनाथ ओहदार

छ) लाल रणविजय नाथ शाहदेव

ज) कुमारी बासंती

झ) मुकुंद नायक

ञ) खालिक अहमद

ट) सविता केशरी

ठ) उमेश नन्द तिवारी

ड) अन्य |

निष्कर्ष/उपसंहार

परिशिष्ट

चित्रावली

आधार ग्रन्थ

सन्दर्भ ग्रन्थ/पत्र-पत्रिकाएं

नोट- आवश्यकता होने पर शोध प्रारूप में परिवर्तन किये जा सकते हैं |

शोध निर्देशक :-

डॉ सविता केशरी

नागपुरी विभागाध्यक्ष

रांची विश्वविद्यालय रांची।

शोधकर्ता :-

पप्पू कुमार महतो

यू.जी.सी. नेट

जनजातीय एवं क्षेत्र भाषा संकाय

रांची विश्वविद्यालय रांची।

आधार ग्रंथों की सूची

क्र. सं.	लेखक	रचना	प्रकाशक	प्रकाशन वर्ष
1	कुमारी, डॉ. समरिता	कवि शारदा प्रसाद शर्मा व्यक्तित्व एवं कृतित्व	के.के. पब्लिकेशन, इलाहाबाद	2013
2	केसरी, डॉ. बिसेश्वर प्रसाद	नागपुरी कवि और उनका काव्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2014
3	केसरी, डॉ. सविता	नागपुरी कवि कंचन : जीवन और साहित्य	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2015
4	कुमारी, डॉ. वासंती	टोंगरी आउर पाझर भाग – 2	झारखण्ड झरोखा, रांची	2007
5	गौंझु, डॉ. गिरिधारी राम	नागपुरी के प्राचीन कवि	झारखण्ड झरोखा, रांची	2015
6	मिरदाहा नईमुद्दीन	एक थेचकी फूल	झारखण्ड झरोखा, रांची	2013
7	शर्मा, रामकिशोर	आधुनिक कवि	लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद	2011
8	साहू कृष्ण प्रसाद	अविनाशी घांसी	नागपुरी संस्थान, पिठोरिया, राँची	2011

संदर्भ ग्रंथ की सूची

क्र. सं.	लेखक	रचना	प्रकाशक	प्रकाशन वर्ष
1	घांसीराम	नागपुरी फाग सतक	झारखण्ड झरोखा, रांची	2018
2	मंसूरी, मधु	मधु मंजर	शोध संस्थान, पिठोरिया	1983
3	मिश्र, डॉ. शकुंतला	रसमंजरी	झारखण्ड झरोखा, रांची	2013
4	मिश्र, डॉ. शकुंतला एवं उमेश नन्द तिवारी	बनकेवरा भाग -1	झारखण्ड झरोखा, रांची	2012
5	राय क्षितिज कुमार	मनमेंजूर	छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ	1971
6	राय क्षितिज कुमार	रूपु	झारखण्ड झरोखा, रांची	2024
7	साहु, डॉ. अंजू कुमारी	आधुनिक नागपुरी कवि मनक साहित्यिक परिचय	मार्गदर्शन पब्लिकेशन, रांची	2018

पत्र पत्रिका

1. आदिवासी पत्रिका, बिहार सरकार रांची।
2. आज, शामलोंग रांची।
3. कला संगम छमाही पत्रिका, रांची |
4. कोयनार पत्रिका, रांची
5. गोतिया, धुमसा टोली चुटिया रांची।
6. छोटानागपुर सन्देश, रांची |
7. जय झारखण्ड, त्रैमासिक, डाल्टनगंज |
8. जोहार त्रैमासिक, रांची |
9. डहर, त्रैमासिक पत्रिका, छोटा नागपुर संस्कृतिक संघ, रांची।
10. प्रभात ख़बर, कोकर, रांची |
11. दैनिक भास्कर, रातू रोड रांची।
12. दैनिक जागरण, कोकर, रांची |
13. रांची एक्सप्रेस, अप्पर बाजार रांची।
14. हिंदुस्तान, कोकर, रांची |
15. सहिया, एमजी टावर 23 पूर्वी जेल रोड रांची।
16. सन्मार्ग, हरमू रोड रांची।